



श्रीत

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ वार्षिक विवरण (सत्र 2019-20)

सन् 1971 में बल्लबगढ़ व आस-पड़ोस के युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की ज़रूरत को पूरा करने के लिए कुछ प्रबुद्ध-समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की नींव रखी। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि.), बल्लबगढ़ की स्थापना सन् 1945 में हुई। वस्तुतः सन् 1919 में अनौपचारिक रूप से इसकी नींव रखी गई थी, जहाँ एक वृक्ष के नीचे मुंडी भाषा सिखलाई जाती थी। सन् 1919 से 1945 तक आते आते इस सभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया। अग्रवाल सभा ने गत वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर इस क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। इस सभा द्वारा संचालित इस महाविद्यालय के अतिरिक्त एक अग्रवाल शिक्षण महाविद्यालय तथा चार अन्य स्कूल भी हैं जिनमें 12993 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के उदारमना सदस्यों ने गरीब विद्यार्थियों, जोकि फीस देने में असमर्थ हैं, की सहायता सत्र 2015-16 में 74 लाख 73 हजार 6 सौ 51 रुपये (Rs. 74,73,651/-), सत्र 2016-17 में 1 करोड़ 28 लाख 50 हजार 44 रुपये (Rs. 1,28,50,044/-), सत्र 2017-18 में 1 करोड़ 49 लाख 77 हजार 2 सौ 48 रुपये (Rs. 1,49,77,248/-) एवं सत्र में 2018-19 1 करोड़ 50 लाख 4 हजार 4 सौ 30 रुपये (Rs. 1,50,04,430/-) की धनराशि का योगदान किया है जो कि अपने आप में एक श्रेष्ठ मिसाल है। विगत तीन वर्ष से प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" की शुरुआत की है, जिसमें उनके लिए फीस माफी, छात्रवृत्ति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाती है।

हमारे महाविद्यालय में 4550 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिनमें से 2135 छात्र और 2415 छात्राएँ हैं। इनके सर्वांगीण विकास के लिए कुल 28 प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं जिनमें 08 स्नातकोत्तर, 09 स्नातक स्तर के, 5 ऑनर्स और 06 Add-on Course हैं। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त ज्ञान देने के लिए सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। महाविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं, जिनमें 121572 पुस्तकें, 71 जर्नल तथा 24 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय E-books of Pearson Publication, E-Journals तथा N-List (INFLIBNET), DELNET का भी सदस्य है। कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, लैंग्वेज लैब, कॉमर्स लैब, मैट लैब, मीडिया सेन्टर, रसायन व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएँ तथा इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में Audio-Visual Rooms, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैं, जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है। कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। हमारे लगभग सभी प्राध्यापक शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए ICT का प्रयोग करते हैं। इस सत्र से हमने Flipped कक्षाओं का भी शुभारम्भ किया है जिसमें प्राध्यापक अपने-अपने विषय पर 15-20 मिनट तक व्याख्यान रिकार्ड कर कॉलेज के Youtube Channel पर डालते हैं जिससे विद्यार्थी कक्षा में आने से पूर्व विषय की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं।



विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, समय सारिणी, परीक्षा-परिणाम, छात्रवृत्ति, विभिन्न गतिविधियों एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं प्रदान करने के लिए महाविद्यालय की अत्यंत सुव्यवस्थित वेब साइट, पोर्टल और अपना यू-ट्यूब चैनल है।

महाविद्यालय का अपना विशिष्ट गीत भी है। जिसे महाविद्यालय के छात्र ने कलमबद्ध कर अपनी ही आवाज़ में गाया है।

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव घनात्मक रहते हैं। वर्ष 2018-19 की वार्षिक परीक्षा में 184 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट लिस्ट में स्थान बनाया जिनमें से 15 विद्यार्थी प्रथम स्थान पर, 18 विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर एवं 14 विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे।

महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद को भी अत्यन्त महत्त्व दिया जाता है जिस कारण हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी खेल-कूद के क्षेत्र में न केवल राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी श्रेष्ठतम प्रदर्शन करते हैं। स्वर्ण पदक विजेता अनमोल जैन, सचिन भाटी, दीपक, आकाश और विकास अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शूटिंग खिलाड़ी हैं। तीरंदाजी में निखिल, विकास, विकासडागर, आदर्श भड़ना, तरुण दीक्षित, भगवान दास राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और योगेश अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का तीरंदाज है। किक बॉक्सिंग में श्वेता (स्वर्ण पदक), ललिता, हेमलता, सुजाता और प्राची (रजत पदक) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सॉफ्टबॉल में डिम्पी, अपेक्षा, सुनीता, मनीषा और रश्मि ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला प्रकोष्ठ, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, पर्यावरण व उर्जा संरक्षण क्लब, योग क्लब, सामाजिक विज्ञान मंच, अध्यापक-अभिभावक मंच, युवा रैड क्रॉस, इन्टैक क्लब, स्वच्छता सेनानी, रैड रिबन क्लब,



आंतरिक शिकायत समिति, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, खेल, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र, वाणिज्य व प्रबन्ध आदि विषयों से सम्बन्धित फोरम एवं क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अपने-अपने क्षेत्र के विशिष्ट-विद्वानों की वार्ताएँ, प्रश्नोत्तरी, भाषण व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं। इन से संबंधित विद्यार्थी अन्य महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। महाविद्यालय में वन-महोत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, मातृभाषा दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, युवा दिवस, महिला दिवस, हिन्दी-दिवस, विज्ञान दिवस, संविधान दिवस, जल संरक्षण दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरोजिनी नायडू, महर्षि दयानन्द, सुभाष चन्द्र बोस तथा स्वामी विवेकानन्द व महाराजा अग्रसेन आदि अनेक महापुरुषों की जयन्तियाँ मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय-गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सकें और महान चरित्रों से सीख प्राप्त कर अपने जीवन को संवार सकें। हमारे महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी शहीद जयभगवान शर्मा की पुण्य स्मृति में महाविद्यालय प्रांगण में ही शहीद स्मारक बनाया गया है। दिनांक 02.12.1995 को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किये गये हमले का मुकाबला करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उनके बलिदान दिवस को प्रतिवर्ष स्मृति-दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल-संरक्षण, नशा-मुक्ति, बेटे बचाओ बेटे पढ़ाओ, दहेज प्रथा आदि ज्वलन्त सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता युक्त बनाया जा सके। यूनिवर्सिटी आऊट रीच कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय ने चंदावली गाँव को गोद लेकर उसमें स्वच्छता, साक्षरता, चिकित्सा, पर्यावरण, ऊर्जा व जल-संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ-साथ रक्त दान शिविर और स्वास्थ्य जाँच शिविर

भी आयोजित किए हैं। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए सिलाई मशीन और कम्प्यूटर भी प्रदान किए गए हैं।

महाविद्यालय पर्यावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है, इसलिए प्रत्येक महीने के पहले सोमवार को "हरित दिवस" के रूप में मनाया जाता है और उस दिन महाविद्यालय प्रांगण वाहन मुक्त रहता है। विद्यार्थियों से लेकर प्राध्यापकों, प्राचार्य और प्रबन्ध समिति तक के सदस्य भी महाविद्यालय प्रांगण में अपना वाहन नहीं लाते। इसके अतिरिक्त इस "पहल" को आगे बढ़ाने के लिए "पर्यावरण मैत्री पुरस्कार" भी घोषित किया गया है कि जो सबसे अधिक दिन साइकिल पर आया उससे 2100 रु नकद राशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके अतिरिक्त पर्यावरण के प्रति प्रेम जागृत करने के लिए विद्यार्थियों के लिए 'पेड़ अपनाओ' Owing A Tree अभियान आरम्भ किया गया है, जिसके अंतर्गत यह तय किया गया कि जो विद्यार्थी अपना पेड़ महाविद्यालय प्रांगण में लगाएगा, उसका नाम पेड़ के साथ लिखा जाएगा और महाविद्यालय छोड़ने के बाद भी उसका नाम महाविद्यालय प्रांगण में पेड़ के साथ लगा रहेगा। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा Waste Water Treatment Plant लगाया गया है और उपचारित जल हरबल गार्डन सिंचाई के काम आता है। महाविद्यालय में दो Vermi Compost Unit हैं जिनके द्वारा पत्तों और गीले कचरे से खाद बनती है जो पेड़ पौधों में डाली जाती है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाइयाँ हैं जिनमें 300 स्वयंसेवक पंजीकृत हैं। ये सभी विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विशेष योगदान देते हैं और विशिष्ट शिविरों में भाग लेते हैं। हमारे महाविद्यालय की स्वयंसेविका आयुषी और रमा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में विश्वविद्यालय स्तर पर क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर स्वयंसेविका चुनी गयीं। इकाई तीन की 'बाती' टीम ने अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड हस्त शिल्प मेले में अपने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति से प्रशंसकों का मन मोह लिया और यह टीम अनेक सामाजिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी अभिव्यक्ति द्वारा सामाजिक जागरूकता का कार्य कर रही है।



विशेष सात दिवसीय शिविर (23-12-2019 से 30-12-2019) के अतिरिक्त उन स्वयंसेवकों ने जून-जुलाई 2019 में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटरशिप में भाग लिया। पूरे सत्र में पर्यावरण, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता एवं रक्तदान के शिविरों में इन स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहता है। युवा नेतृत्व शिविर में मोहित बंसल और कृष्ण दीक्षित का चयन हुआ। भूटान में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में मुकुल सेठी ने प्रतिभागिता की। इकाई-III की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा मलिक को विश्वविद्यालय स्तर पर द्वितीय स्थान पर पुरस्कृत किया गया।

एन.सी.सी. की दो इकाइयों में 50 कैडेट पंजीकृत हैं। 2019 में 16 कैडेट ने BEE और 7 ने CEE परीक्षा पास की। महाविद्यालय की गतिविधियों के साथ-साथ ये कैडेट स्वेच्छा से समाज के प्रति भी कोविड वीर बन कर अपना धर्म निभाते रहे। कृष्ण पायला, नीहाल सिंह, हितेश और शिवहरि का चयन रक्षा सेवाओं के लिए हुआ। कैडेट आरती ने नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में एन.सी.सी. नेवल महिला टुकड़ी का नेतृत्व किया।

महाविद्यालय में युवा रैड क्रॉस द्वारा इस सत्र में 3 जिला स्तरीय स्वास्थ्य जागरूकता शिविर (पाँच दिवसीय) और 5 प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर (पाँच/सात दिवसीय) आयोजित किए गए। एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 106 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत चंदावली, सुनपेड़, मलेरना और सोतई गाँवों के सरपंचों के सहयोग से कोरोना महामारी लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन जागरूकता अभियान चलाया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत इस वर्ष हरियाणा का साथी राज्य तेलंगाना है। इस योजना के अंतर्गत प्रति माह की 10 तारीख को तेलंगाना राज्य की भाषा, संस्कृति, इतिहास व भूगोल को समझने के

लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। इस क्लब के अंतर्गत 3 वेबिनार आयोजित किए गए, जिसमें राजकीय महाविद्यालय अग्राहम (तेलंगाना) के विद्यार्थियों ने विशेष उत्साह से भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष व परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के भविष्य एवं रोजगार को लेकर महाविद्यालय काफी सचेत रहता है, इसलिए महाविद्यालय में समय-समय पर Placement Drive और Job Fair का आयोजन किया जाता है। हमारे महाविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का 2-2 लाख का सामूहिक बीमा (Group Insurance) भी किया जाता है, जिसके Premium का भुगतान महाविद्यालय प्रशासन की ओर से दिया जाता है।

युवा विद्यार्थियों की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए वार्षिक-पत्रिका "स्रोत" का प्रकाशन किया जाता है तथा महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका"-(News Letter) भी प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय से दो Journals भी प्रकाशित होते हैं।

प्रत्येक सत्र में महाविद्यालय में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के ज्ञान को गति देने के लिए संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 16 जुलाई, 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसका विषय था- 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति'।

आन्तरिक शिकायत समिति द्वारा 30 अगस्त, 2019 को 'छेड़छाड़ और रैंगिंग' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अनुबन्ध के अंतर्गत 28, 29, 30 दिसम्बर 2019 को 'चरित्र निर्माण और समग्र व्यक्तित्व का विकास' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला (राष्ट्रीय स्तर) का आयोजन किया गया।

4 फरवरी, 2020 को ऊर्जा संरक्षण क्लब की ओर से Reuse, Reduce और Recycle विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। 4



मार्च, 2020 को आंतरिक शिकायत समिति और महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसका विषय था- 'कार्य स्थल पर महिलाओं का शोषण'।

विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन के लिए संगणक विभाग (29-8-2019) और वाणिज्य विभाग (29-01-2020) द्वारा संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। महाविद्यालय की परामर्श समिति द्वारा पन्द्रह वेबिनार आयोजित किए गए। जिनका उद्देश्य अपने सहभागी महाविद्यालयों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के मानकों के अनुरूप मार्गदर्शन प्रदान करना था।

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़, विज्ञान भारती हरियाणा और जे. सी. बोस विज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई.एम.सी.ए., फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 6 जून से 9 जून, 2020 तक वेबिनार के माध्यम से व्याख्यान माला आयोजित की गई, जिसका विषय था- "वर्तमान परिवेश में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के समक्ष चुनौतियाँ व अवसर"।

इस सत्र में गुरु नानक देव जी की 550वीं और महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में वर्ष भर अतिथि वार्ता, चलचित्र प्रदर्शन, भाषण प्रतियोगिता एवं विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

हमारे महाविद्यालय की इन सभी उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और कॉलेज प्रबन्ध समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है। इन श्रेष्ठ प्रयासों का अच्छा परिणाम यह हुआ कि मई 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) ने महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त श्रेष्ठ उपलब्धियों का भली भाँति निरीक्षण करते हुए महाविद्यालय को 3.57 CGPA के साथ A++ ग्रेड प्रदान किया। संबद्ध

महाविद्यालयों की श्रेणी में यह उत्तम ग्रेड प्राप्त अग्रवाल महाविद्यालय भारत का सर्वप्रथम महाविद्यालय है। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने "कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सिलेंस (सी.पी.ई.)" का दर्जा प्रदान किया।

वस्तुतः महाविद्यालय की स्थिति का श्रेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त की दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व को जाता है। उनके द्वारा विगत 30 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को ध्यान में रखते हुए महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के कुलगुरु प्रोफेसर राजबीर सिंह ने उन्हें 8 जुलाई 2020 को विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है। इसके अतिरिक्त उन्हें 30 मई 2020 को शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करने वाली संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, बेंगलूरु का सदस्य नामित किया गया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में लॉकडाउन के दौरान भी विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं लगती रहीं, विभिन्न प्रतियोगिताओं व वेबिनार का आयोजन किया जाता रहा ताकि विद्यार्थी और प्राध्यापक विविध विषयों के ज्ञान से लाभान्वित हो सकें।

कॉलेज के इस विकास एवं प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी समा कॉलेज प्रबन्ध समिति तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री अमित जी व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परम श्रद्धेय स्वर्गीय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने लगातार 36 वर्ष तक विद्या प्रचारिणी समा, बल्लबगढ़ के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा-क्षेत्र में समाज-सेवा का जो अनुपम सराहनीय कार्य किया है उसके लिए बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

महाविद्यालय गीत

उन्नति का सफ़र, सच की हो डगर।
कुछ करें हम, कल से भी बेहतर ॥
आसमाँ से भी ऊँचा, हो नाम हमारा।
इक यही ख्वाब है बस हमारा ॥

ज्ञान की रोशनी हो, दिशाओं में सभी।
न चलें जहालत की आँधियाँ, अब कभी ॥
आगे बढ़ते चलें, बदलाव से मिल गले।
न दिखे राह तो, मशाल से हम जलें ॥
इक यही ख्वाब है बस हमारा

आगे बढ़ें, उड़ चलें, नन्हीं परियाँ हमारी ॥
नारी सशक्तिकरण से, सँवरे धरा ये सारी ॥
सबको मिलती रहे, शिक्षा की रोशन डगर ॥
न रूकें कदम, पथ में काँटे भी हों अगर ॥
इक यही ख्वाब है बस हमारा

अग्रवाल महाविद्यालय है भव्य विद्या ललाम।
ज्ञान, विज्ञान, खेल, कला, संगीत ललित रंग धाम ॥
तमसो मा ज्योतिर्गमय, तेरा पावन संदेश।
पाकर विद्या का वरदान, आशाएँ और लक्ष्य महान ॥
करें छात्र नित नव निर्माण, यशोगान तव गा लें.....
जय हे..... जय हे..... जय हे.....